

**“मिडिल कमांड मैनेजमेंट कोर्स क्रम. सं. - 71 (ऑनलाइन)”**  
(दिनांक 20/06/2022 से 02/07/2022 तक)

देश में कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की निरंतरता में आंतरिक सुरक्षा अकादमी ने मिडिल कमांड मैनेजमेंट कोर्स का आयोजन किया। यह कोर्स क्रम संख्या-71 दिनांक 20 जून से 02 जुलाई 2021 तक आयोजित किया गया। देशभर से इस कोर्स में केरिपुबल के कुल 92 द्वितीय कमान अधिकारियों ने भाग लिया।

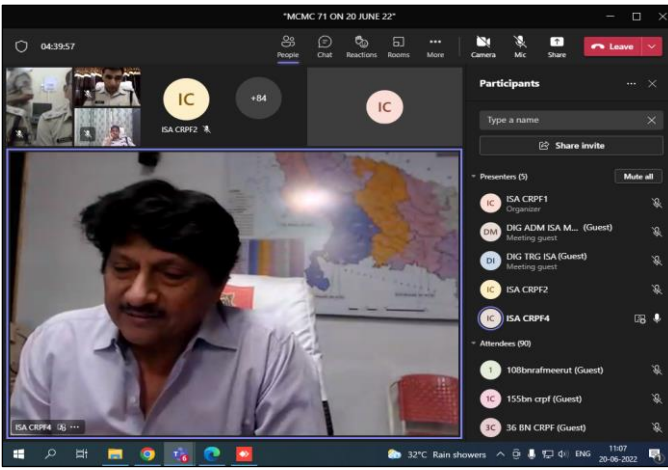
डॉ प्रेम चंद, कमांडेंट, आं.सु.अ., आबू पर्वत, केरिपुबल ने उद्घाटन किया और उन्होंने बल की बहुमुखी प्रतिभा के रूप में और कमांडेंट के तौर पर आने वाली चुनौतियों का सामना करने के बारे में बताया।

श्री डी.एस राठौड़, उप महानिरीक्षक(प्रशा.), आं.सु.अ., आबू पर्वत, केरिपुबल द्वारा समापन किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को अपने संबोधन में, इस पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए बधाई दी।

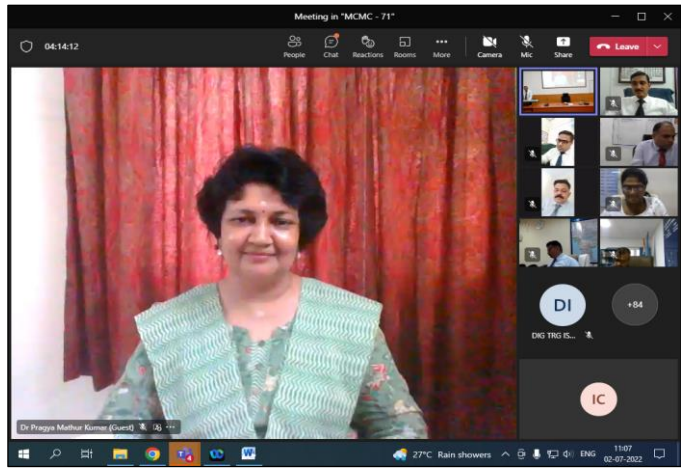


डॉ प्रेम चंद, कमांडेंट, आं.सु.अ., आबू पर्वत, केरिपुबल द्वारा ऑनलाइन उद्घाटन किया गया।

आंसुअ के अधिकारियों के अलावा विभिन्न प्रख्यात वक्ता जैसे श्री केएम यादव, महानिरीक्षक, , श्री एलएन मिश्रा, उप महानिरीक्षक, ग्रुप केंद्र बिलासपुर, डॉ प्रताप सिंह, उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत्त), श्री विपिन यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, (कार्य) महानिदेशालय, श्री कृष्ण मोहन, भाप्रसे (सेवानिवृत्त), डॉ. वी. वी. सिंह, निदेशक, किबुत्ज़ कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज, डॉ. प्रज्ञा माथुर, मनोवैज्ञानिक और प्रशिक्षक, डॉ नंदीतेश निलय, निदेशक, टीआरएएनसी, प्रो पीके जैन, सुश्री मेघा गुप्ता, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर., प्रभावती बस्के, जीएनएलयू, गांधीनगर ने देश के विभिन्न हिस्सों से ऑनलाइन व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए जो उन्हें ई-मेल पर भेजे गए थे।



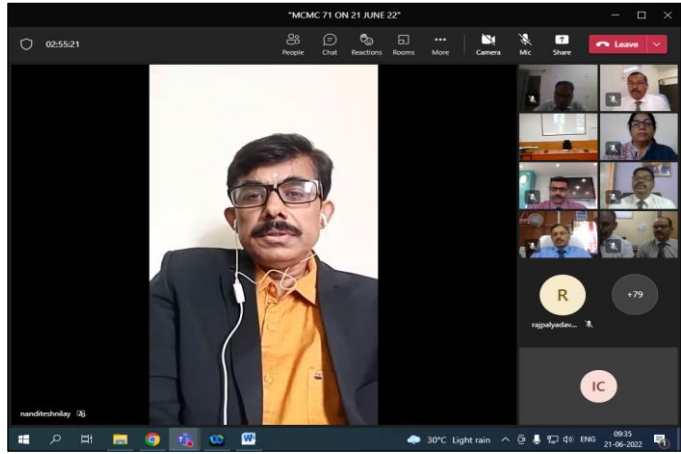
डॉ. वी.वी.सिंह, निदेशक किब्बुत्ज कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज युनिफॉर्म सर्विसेज और कॉम्बैट लीडरशिप में लीडरशिप चैलेंज पर ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए।



डॉ. प्रजा माथुर, मनोवैज्ञानिक और प्रशिक्षक, जीवन जीने की कला सहित तनाव प्रबंधन, मुकाबला करने की रणनीतियाँ पर ऑनलाइन व्याख्यान देते हुए।



श्री विजय चौधरी, सहा कमा, आसुअ, एथिक्स कोर वैल्यूज सकारात्मक रूप से यूनिट स्तर पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. नंदीतेश निलय, निदेशक, टीआरएनसी, प्रेरक तकनीकों, उच्च प्रदर्शन टीमों के निर्माण और इसके पोषण पर व्याख्यान देते हुए।



श्री अमित देसवाल, सहा कमा, आसुअ, पब्लिक स्पीकिंग एक्सरसाइज पर व्याख्यान देते हुए।



श्री के. थोमस जोब, उप महानिरीक्षक(प्रशि.),आं.सु.अ.,आबू पर्वत, एपीएआर लेखन पर व्याख्यान देते हुए।



श्री कृष्ण मोहन, भाप्रसे (सेवानिवृत्त), भावनात्मक आसूचना और इसके खुफिया लेन-देन विश्लेषण पर व्याख्यान देते हुए।



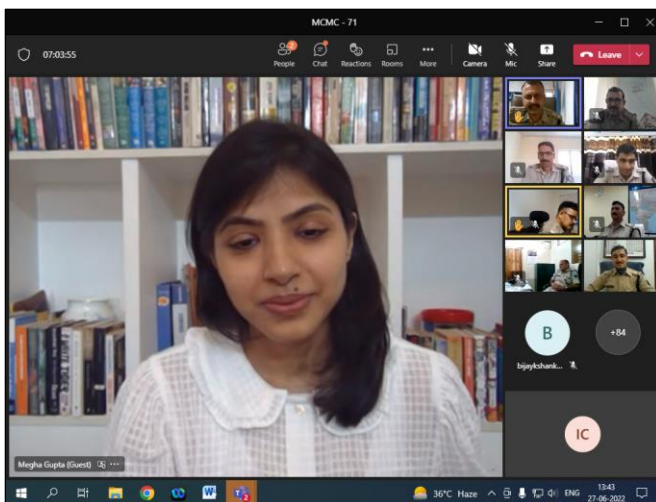
श्री मुकेश गहलोट, सहा कमा (मंत्रा.) आसुअ, आकस्मिक शुल्क और इसके विभिन्न विधेयकों पर व्याख्यान देते हुए।



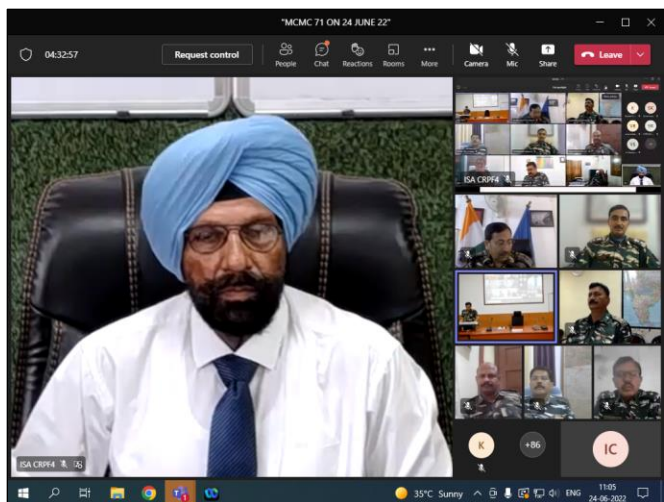
श्री पवन कुमार, उप कमा (प्रशा.) आसुअ, यूनिट स्तर पर प्रशिक्षण, प्रशिक्षण के मूल्यांकन, नवाचार और सर्वोत्तम अभ्यास पर व्याख्यान देते हुए।



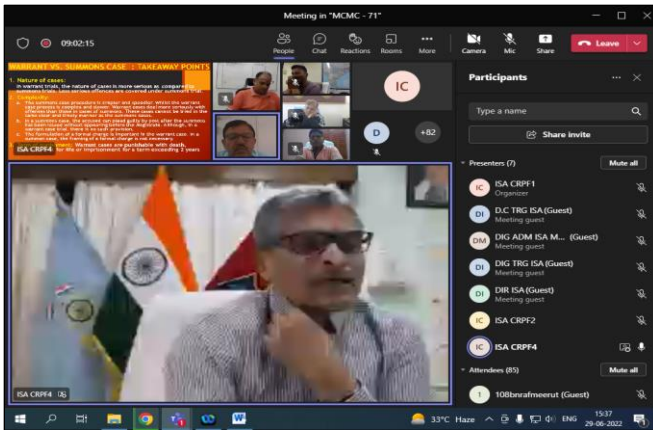
श्री कृष्ण कृष्ण दुबे, सहा कमा, आसुअ, सीसीएस/सीसीए और केरिपु बल अधिनियमों और नियमों के तहत विभागीय जांच पर व्याख्यान देते हुए।



सुश्री मेघा गुप्ता, सॉफ्ट स्किल ट्रेनर, प्रभावी संचार बाधाओं, श्रवण, प्रस्तुति और प्रारूपण कौशल पर व्याख्यान देती हुई।



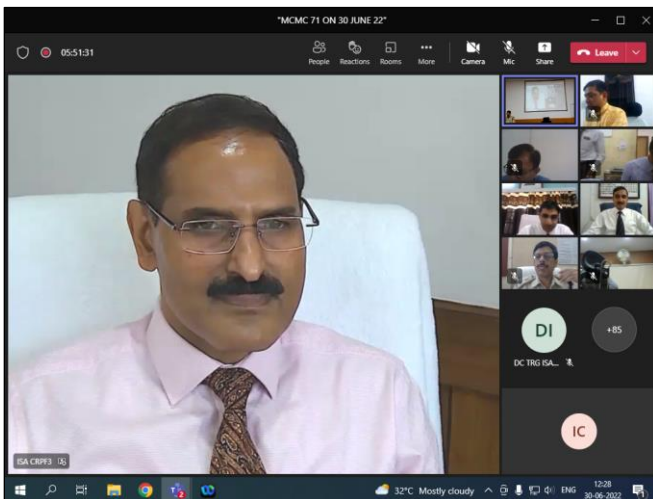
डॉ प्रताप सिंह, उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत्त), सीआरपीसी के प्रमुख प्रावधानों और शांति और अशांत क्षेत्रों में बल के सदस्यों को सुरक्षा पर व्याख्यान देते हुए।



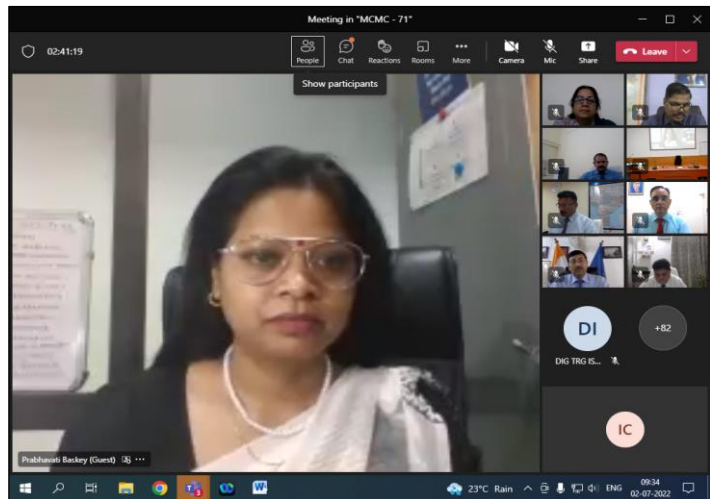
श्री एल.एन.मिश्रा, उप महानिरीक्षक, गुप्त केंद्र बिलासपुर, न्यायिक परीक्षण और व्यावहारिक अभ्यास पर व्याख्यान देते हुए।



श्री विपिन यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, (कार्य) महानिदेशालय, निर्माण की निगरानी, साइट चयन एलओपी ड्राइंग और संपदा अधिकारी से अपेक्षा पर व्याख्यान देते हुए।



श्री केएम यादव, महानिरीक्षक, जीईएम और इसके कामकाज पर व्याख्यान देते हुए।



प्रो. प्रभावती बस्के, जीएनएलयू, लिंग संवेदीकरण पर व्याख्यान देती हुई।



श्री सुधीर कुमार, उप कमा, आसुअ आंतरिक सुरक्षा खतरों और काउंटर इंटेलिजेंस के बारे में नवीनतम खुफिया रिपोर्टों पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. प्रेम चंद, कमांडेंट (प्रशा./प्रशि.), सांविधिक शक्तियों सहित कमांडेंट के कर्तव्यों और शक्तियों पर व्याख्यान देते हुए।



श्री डी.एस राठौड़, उप महानिरीक्षक(प्रशा.), आं.सु.अ., आबू पर्वत, केरिपुबल द्वारा समापन सम्बोधन।